Govt. Bilasa Girls' P.G. (Auto) College

Bilaspur (C.G.)

SYLLABUS

M.A. HISTORY

I &II SEMESTER

2021-22

Govt. Bilasa Girls' P.G. (Auto) College,
Link Road, Bilaspur (C.G.)
Phone No. 07752-224249, Website :
www.bilasagirlscollege.ac.in

M.A. HISTORY

Programme Outcome

- ✓ To familiarize the student with Indian civilization, culture, art, architecture and religion of India.
- ✓ To prepare the students to understand Administrative and political decisions and use them in their practical life.
- ✓ To understand colonial exploitation and its impact on Indian economy.
- ✓ To understand leading world problems and incidents and their impact on India and other parts of the world.

To prepare the student to collect, compare and select appropriate data for historical research and gradually develop research skill in the student.

Course Outcome

M.A. I SEM

Paper I- Concept, Methods and Sources of Historiography

Outcome –

- ✓ To prepare the student to understand the various aspects and trends of historical Writings, relation of history to other subjects and to compare the historical writing from different backgrounds.

Paper II- History of Europe (1914-1945)

Outcome –

- ✓ To develop the understanding of ideas like capitalism, socialism, Liberalism, Imperialism and Nationalism etc.
- ✓ To prepare student to understand international politics and problems between the two world wars and efforts to maintains peace and disarmament during pre and post world war

.

Paper III- Political History of India (17157-1857)

Outcome –

- ✓ To prepare the student to understand the sources of modern India History and different trends of historiography on moderm India.
- ✓ To understand the imperial policy of Britain towards India, relation and confict between British and contemporary Indian powers,

Paper IV- Political History of Chhattisgarh

Outcome –

- ✓ To understand in brief regional history of Chhattisgarh form pre historic period up to Independence.
- ✓ To develop awareness towards their region and its political, social, economic and cultural condition.

एम. ए. इतिहास

प्रथम सेमेस्टर – प्रथम प्रश्नपत्र

इतिहास लेखन की अवधारणा पद्धति और साधन, भाग –1

1. इतिहास का अर्थ–
   (अ) इतिहास क्या है? कला अथवा विज्ञान ?
   (ब) इतिहास की उत्पत्ति
   (स) इतिहास का अर्थ एवं परिभाषा

2. इतिहास का विस्तार क्षेत्र–
   (अ) तथ्यों का संकलन एवं चयन
   (ब) साक्ष्य एवं उनका अनुप्रयोग
   (स) इतिहास में कार्य–कारण संबंध
   (द) इतिहास में पूर्वाग्रह

3. इतिहास का अन्य विषयों से संबंध –
   इतिहास एवं पुरातत्व, भूगोल, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, साहित्य से संबंध
4. इतिहास लेखन की परम्पराएँ एवं अवधारणाएँ –
   (अ) प्राचीन काल में इतिहास लेखन–रोमन परम्परा, चीनी इतिहास लेखन, प्राचीन भारत में इतिहास लेखन।
   (ब) मध्यकालीन इतिहास लेखन– पश्चिमी इतिहास लेखन, अरब एवं पर्शियन इतिहास लेखन।
   (स) मध्यकालीन भारत में इतिहास लेखन।

संदर्भ ग्रंथ –

1. डॉ. रामविलास शर्मा – हिस्टोग्राफी
2. परमानंद सिंह – इतिहास दर्शन
3. मानिकलाल गुप्त – इतिहास स्वरूप, अवधारणाएँ एवं उपयोगिता
4. ई.एच.कार – इतिहास क्या है ?
5. गोविंद चन्द्र पाण्डेय – नेचर एण्ड थ्योरी ऑफ हिस्ट्री
6. डॉ. रमेन्द्र मिश्र एवं डॉ. सचिन मंदिलवार – इतिहास लेखन एवं चिंतन

एम. ए. इतिहास
प्रथम सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्नपत्र
यूरोप का इतिहास (1914–1945)

1. आधुनिक युग की पृष्ठभूमि –
   (अ) पूंजीवाद का उदय
   (ब) साम्राज्यवाद का उदय
   (स) उदारवाद का उदय
   (द) समाजवाद का उदय
   (इ) राष्ट्रवाद का उदय

2. (अ) प्रथम विश्वयुद्ध – कारण एवं परिणाम
   (ब) वर्साय संधि
   (स) अन्य शांति संधियाँ
   (द) रूसी क्रांति 1917– कारण एवं परिणाम

3. दो महायुद्धों के बीच विश्व–
   (अ) राष्ट्रसंघ
   (ब) आर्थिक मंदी
   (स) सुरक्षा की खोज

4. (अ) जर्मनी का उत्कर्ष, हिटलर– उदय के कारण, गृहनीति, विदेश नीति।
   (ब) इटली का उत्कर्ष, मुसोलिनी– उदय के कारण, गृहनीति, विदेश नीति।

संदर्भ ग्रंथ –

1. दीनानाथ वर्मा – आधुनिक विश्व का इतिहास
2. लिप्सन – 19 वीं एवं 20 वीं सदी का यूरोप
3. वी.वी. राव – हिस्ट्री ऑफ वर्ल्ड
4. जगदीश चंद्र झा – यूरोप का इतिहास
5. ई. एच. कार – दो महायुद्धों के मध्य का यूरोप

एम. ए. इतिहास
प्रथम सेमेस्टर – तृतीय प्रश्नपत्र
भारत का राजनैतिक इतिहास (1757–1857)

1. आधुनिक भारत के स्त्रोत–
   (अ) अभिलेखागार (दस्तावेज, पाण्डुलिपियाँ, पत्रादि)
   (ब) समाचार पत्र–पत्रिकाएँ
   (स) मौखिक परम्पराएँ (लोकगाथ, लोकगीत, संस्मरण आदि)
   (द) उपागम एवं व्याख्यान, साम्रज्यवादी, राष्ट्रवादी, मार्क्सवादी एवं सबाल्टर्न उपागम

2. अठारवीं शताब्दी के मध्य भारत–
   (अ) उत्तर पूर्व औपनिवेशिक व्यवस्था– राजनैतिक स्थिति
   (ब) आर्थिक स्थिति
   (स) सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थिति
   (द) बंगाल में ब्रिटिश सत्ता की स्थापना–प्लासी एवं बक्सर युद्ध

3. ब्रिटिश शक्ति का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण–
   (अ) विस्तार एवं वाणिज्यवाद के सिद्धांत एवं वाणिज्यवाद की विशेषताएँ
   (ब) यूरोप एवं भारत में वाणिज्यवाद का विकास
   (स) विस्तार की नीतियाँ एवं कार्यक्रम
   (द) वेलेजली एवं डलहौजी।

4. विस्तार के उपकरण–युद्ध एवं कूटनीति–
   (अ) आंग्ल मैसूर संघर्ष (1766–1799)
   (ब) आंग्ल मराठा संघर्ष (1772–1818)
   (स) राजस्थान, मध्य भारत तथा आंगल पंजाब संबंध (1709–1849)
   (द) आंग्ल अवध संबंध (1773–1856)

संदर्भ ग्रंथ –

1. रमेश चंद्र दत्त – ब्रिटिश भारत का आर्थिक इतिहास
2. एल.पी. शर्मा – आधुनिक भारत
3. पंडित सुंदरलाल – भारत में अंग्रेजी राज्य
4. बी. एल. ग्रोवर एवं यशपाल – आधुनिक भारत का इतिहास
5. सुमित सरकार – आधुनिक भारत
6. वी. डी. महाजन – आधुनिक भारत
7. ऐग्नेस ठाकुर – भारत का इतिहास (1757–1857)
8- brajkishorprasad.blogspot.com
9. डॉ. प्रभुलाल मिश्र एवं डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र – छत्तीसगढ़ अभिलेख छवि

एम. ए. इतिहास
प्रथम सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ का राजनैतिक इतिहास

1. छत्तीसगढ़– एक सामान्य परिचय, भौगोलिक परिसीमन एवं नामकरण।
2. छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (प्रागैतिहासिक काल से कल्चुरी पूर्व तक)
3. छत्तीसगढ़ में कल्चुरी राजवंश एवं प्रशासन (रतनपुर एवं रायपुर के कल्चुरी),
4. छत्तीसगढ़ में मराठा शासन एवं प्रशासन (1741–1853) (बिम्बाजी भोंसले, रघुजी तृतीय) सूबा शासन
5. छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश संरक्षण काल (1818–1830)
6. 1857 की क्रांति (अ) क्रांतिवीर नारायण सिंह, (ब) सुरेन्द्र साय, (स) हनुमान सिंह
7. छत्तीसगढ़ में राजनैतिक जागरण (1885–1920)
8. कंडेल नहर सत्याग्रह
9. छत्तीसगढ़ में असहयोग आंदोलन
10. सविनय अवज्ञा आंदोलन
11. व्यक्तिगत सत्याग्रह
12. भारत छोड़ों आंदोलन

संदर्भ ग्रंथ –

1. प्यारेलाल गुप्त – प्राचीन छत्तीसगढ़
2. डॉ. भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास
3. केदारनाथ – बस्तर भूषण
4. मदनलाल गुप्त – छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन
5. डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र एवं डॉ. लक्ष्मीधर झा – छत्तीसगढ़ का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास
6. डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र, डॉ. शांता शुक्ला – छत्तीसगढ़ का राजनैतिक इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन
7. जे.पी. शर्मा – मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय आंदोलन ''छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में''
8. डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र, डॉ. सुनीति मिश्र – वीर नारायण सिंह
9. डॉ. प्रभुलाल मिश्र – दक्षिण कोसल का इतिहास
10. डॉ. प्रभुलाल मिश्र – छत्तीसगढ़ में मराठा प्रभुत्व
11. संपादक, विष्णु सिंह ठाकुर – हरि ठाकुर रचित, छत्तीसगढ़ की गौरवगाथा

Course Outcome

M.A. II SEM

Paper I- Comcept, Methods and Sources

Outcome –

- ✓ To familiarize the students with the major theories and subject matter of history.
- ✓ To prepare students to the understand the controversial problems in Indian History.

Paper II- World during 20th century

Outcome –

- ✓ To understand the political condition of the word after world war II, Rise and development of communism, cold war, non-aling movement, regional problems and Human rights.
- ✓ To understand the role of U.N.O in keeping peace and disarmament in the world.

Paper III- Social and Economic History of India (1757-1857)

Outcome –

- ✓ To understand the social and economic effects of British rule on India and development of revolts against foreign rule.

Paper IV- History of Chhattisgarh

Outcome –

- ✓ To understand the princely states during Bitish rule, folk- culture, local leaders and histiocal tourist places of Chhattisgarh.

एम. ए. इतिहास
द्वितीय सेमेस्टर – प्रथम प्रश्नपत्र
इतिहास लेखन की अवधारणा पद्धति और साधन भाग–2

1. इतिहास के उपागम –
   (अ) साम्राज्यवादी
   (ब) राष्ट्रवादी
   (स) मार्क्सवादी
   (द) उपाश्रयी (सवालटर्न) (इ) उत्तर आधुनिक

2. इतिहास के वृहत सिद्धांत–
   (अ) युग चक्रवादी सिद्धांत
   (ब) ऐतिहासिक भौतिकवाद
   (स) तुलनात्मक
   (द) इतिहास की उत्तर आधुनिक समालोचनाएँ

3. भारतीय इतिहास की विषय वस्तु–
   (अ) आर्थिक, मजदूर एवं किसान
   (ब) वर्ण, जाति, जनजाति एवं लिंग
   (स) धर्म एवं संस्कृति
   (द) पर्यावरण
   (इ) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

4. इतिहास के प्रमुख विवाद–
   (अ) प्राचीन भारतीय इतिहास के कुछ विवाद– आर्यो का मूल निवास, राजपूतो की उत्पत्ति ।
   (ब) मध्यकालीन भारतीय इतिहास के कुछ विवाद– मुहम्मद बिन तुगलक की योजनाएँ, औंरगजेब की धार्मिक नीति।
   (स) आधुनिक भारतीय इतिहास के कुछ विवाद– 1857 की क्रांति की प्रकृति, कांग्रेस की स्थापना।

संदर्भ ग्रंथ –

1. मानिक लाल गुप्त – इतिहास स्वरूप अवधारणाएँ एवं उपयोगिता
2. ई. एच. कार – इतिहास क्या है ?
3. परमानंद सिंह – इतिहास दर्शन
4. पाण्डे गोविंद चंद्र – इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत
5. बुद्ध प्रकाश – इतिहास दर्शन
6. डॉ. रमेन्द्रनाथ मिश्र, सचिन मंदिलवार – इतिहास लेखन की अवधारणा एवं पद्धति

एम. ए. इतिहास
द्वितीय सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्नपत्र
20 वीं सदी का विश्व

1. द्वितीय विश्वयुद्ध एवं नई राजनीतिक व्यवस्था–
   (अ) द्वितीय विश्व युद्ध– कारण एवं परिणाम
   (ब) चीन में कम्युनिस्ट (साम्यवाद) क्रांति – कारण एवं परिणाम

2. शीत युद्ध एवं उसके प्रभाव
   (अ) शीत युद्ध– कारण, विकास व प्रभाव
   (ब) गुट निरपेक्ष– आंदोलन एवं तृतीय विश्व
   (स) संयुक्त राष्ट्र संघ
   (द) क्षेत्रीय तनाव–कश्मीर, फिलीस्तीन, कोरिया, वियतनाम

3. प्रगति का युग–
   (अ) मानव अधिकार आंदोलन

4. समाजवाद का अंत और शीत युद्ध की समाप्ति–
   (अ) समाजवाद का विघटन
   (ब) एक ध्रुवीय एवं द्विध्रुवीय प्रतिमान
   (स) भूमण्डलीकरण

संदर्भ ग्रंथ –

1 दीनानाथ शर्मा – आधुनिक विश्व का इतिहास
2. जार्ज बर्नादस्की – रूस का इतिहास
3. सत्यकेतु विद्यालंकार – एशिया का इतिहास
4. एम.एल. शर्मा – अमेरिका का इतिहास
5. बिनाके – सुदूर पूर्व का इतिहास
6. के. एल. खुराना – विश्व का इतिहास

एम. ए. इतिहास
द्वितीय सेमेस्टर – तृतीय प्रश्नपत्र
भारत का सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास (1757–1857)

1. सामाजिक नीतियाँ एवं सामाजिक परिवर्तन–
   (अ) सामाजिक परिवर्तन के उत्तरदायी तत्व, भारत में सामाजिक परिवर्तन (1757–1857)
   (ब) भारतीय समाज के प्रति पूर्वी एवान्जलिकल दृष्टिकोण
   (स) उपयोगितावादी दृष्टिकोण
   (द) शिक्षा– स्वदेशी एवं आधुनिक सुधार

2. सामाजिक सुधार एवं नवीन सामाजिक वर्गों का उदय–
   (अ) सुधार आंदोलन का स्वरूप
   (ब) भारत में नवीन वर्गों के उदय के कारण
   (स) नये सामाजिक वर्गों की विशेषताएँ एवं परिणाम

3. आर्थिक संगठन–परिवर्तन एवं निरंतरता–
   (अ) ग्रामीण अर्थव्यवस्था नवीन भू–राजस्व व्यवस्था
   (ब) कृषि का व्यवसायीकरण
   (स) शहरी अर्थव्यवस्था– कलात्मक एवं औद्योगिक उद्योग, अनोद्योगीकरण
   (द) शहरी केन्द्र, यातायात एवं संचार व्यवस्था।

4. औपनिवेशिक शासन का प्रतिरोध –
   (अ) 1857 के पूर्व किसान, आदिवासी एवं सांस्कृतिक प्रतिरोध
   (ब) 1857 के विद्रोह – स्वरूप, प्रकृत्ति, कारण, कार्यक्रम
   (स) परिणाम एवं महत्व, नेतृत्व एवं जनभागीदारी

<u>संदर्भ ग्रंथ –</u>

1. ए. आर. देसाई – भारतीय राष्ट्रवाद की सा. पृष्ठभूमि
2. एल. पी. शर्मा – आधुनिक भारत
3. एग्नेस ठाकुर – भारत का इतिहास (1757–1857)
4. बी.एल. ग्रोवर तथा यशपाल – आधुनिक भारत का इतिहास (एक नवीनतम मूल्यांकन) 1707 से 1964 तक
5. सुमित सरकार – आधुनिक भारत
6. एम. एस. जैन – आधुनिक भारत का इतिहास
7- brajkishorprasad.blogspot.com

एम. ए. इतिहास
द्वितीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ का इतिहास

1. छत्तीसगढ़ की 14 रिसायतें एवं जमींदारियाँ

2. छत्तीसगढ़ में रियासतों में जन आंदोलन एवं विलिनीकरण

3. छत्तीसगढ़ में–
(अ) आदिवासी आंदोलन (ब) किसान आंदोलन (स) मजदूर आंदोलन

4. छत्तीसगढ़ में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आंदोलन –
(अ) कबीर पंथ (ब) सतनाम पंथ

5. छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति–
(अ) परंपरा (ब) साहित्य (स) शिक्षा

6. छत्तीसगढ़ में जन–चेतना के संवाहक–
(अ) सुंदरलाल शर्मा (ब) पं. रवि शंकर शुक्ल (स) ठाकुर प्यारे लाल
(द) ई. राघवेन्द्र राव (इ) ठाकुर छेदीलाल
(फ) लोचन प्रसाद पाण्डेय (ज) पं. माधवराव सप्रे (ह) गुण्डाधुर
(ई) छत्तीसगढ़ की प्रमुख नारियाँ।

7. छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक स्थल एवं पर्यटन केन्द्र
(अ) मल्हार, सिरपुर, राजिम, रतनपुर, मदकू द्वीप, सिली पचराही
(ब) भोरमदेव, जांजगीर, शिवरीनारायण, डीपाडीह, बारसुर
(स) चित्रित शैलाश्रय, सीताबेंगरा, रामगिरी, ताला

<u>संदर्भ ग्रंथ –</u>

1. भगवान सिंह वर्मा – छत्तीसगढ़ का इतिहास
2. प्यारेलाल गुप्त – प्राचीन छत्तीसगढ़
3. डॉ. रमेन्द्र नाथ मिश्र एवं शांता शुक्ल– छत्तीसगढ़ का राजनैतिक इतिहास एवं राष्ट्रीय आंदोलन
4. डॉ. शुक्ल – छत्तीसगढ़ का राष्ट्रीय आंदोलन
5. पं. केदारनाथ ठाकुर – बस्तर भूषण
6. केयूर भूषण – छत्तीसगढ़ के नारी रत्न

Govt. Bilasa Girls' P.G. (Auto) College

Bilaspur (C.G.)

SYLLABUS

M.A. HISTORY

III & IV SEMESTER

2021-22

Govt. Bilasa Girls' P.G. (Auto) College,
Link Road, Bilaspur (C.G.)
Phone No. 07752-224249, Website :
www.bilasagirlscollege.ac.in

Course Outcome

M.A. III SEM

Paper I- History of India (1858-1964)

Outcome –

- ✓ To understand the political and administrative continuation and changes after the revolt of 1857 in India.
- ✓ To understand the attitudes of British Govt. Towards its neighbours.
- ✓ To understand the economic effect of British rule in India.
- ✓ To understand the social reforms and its effects during British rule.

Paper II- Economic History of Indai part -I (1858-1947)

Outcome –

- ✓ To prepare the student to compare the economy of India before and after British rule in India.
- ✓ To understand the economic effect of British rule in India.
- ✓ To study the Imperial economic policies applied in India and its effects

Paper III- History of Architecture in Ancient India

Outcome –

- ✓ To understand the Ancient Indian culture and religion through study of different stages of architecture of Ancient India.

Paper IV- State in Ancient India

Outcome –

- ✓ To understand the polity and administration duting Ancient period and prepare the studnts to compare the present system to Ancient times.

एम.ए. तृतीय
तृतीय सेमेस्टर – प्रथम प्रश्नपत्र
भारत का इतिहास (1858–1964)

1. साम्राज्यवादी नियंत्रण–
   (अ) भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था में परिवर्तन ।
   (ब) 1909 के अधिनियम, 1919 का अधिनियम, 1935 का अधिनियम

2. भारत में स्वायत शासन सरकार का विकास–
   (अ) भारत रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति
   (ब) भारत एवं उसके पड़ोसी देश– अफगानिस्तान एवं तिब्बत, नेपाल, बर्मा

3. अर्थव्यवस्था –
   (अ) पूंजी का निर्गमन, समस्याएँ, कृषक आंदोलन
   (ब) घरेलू एवं हस्तशिल्प उद्योग, आधुनिक उद्योग का उदय एवं विकास, भारत में पूँजीवाद का उदय , राज्य और औद्योगिक विकास
   (स) श्रमिक वर्ग का उदय।

4. समाज –
   (अ) औपनिवेशिक हस्तक्षेप एवं सामाजिक परिवर्तन
   (ब) सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन, ब्रम्ह समाज, आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन, प्रार्थना समाज, थियोसोफिकल सोसायटी।
   (स) मुख्य मुस्लिम सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन
   (द) मध्यम वर्ग का उदय, जातीय आंदोलन, ब्रिटिश भारत में आधुनिक शिक्षा, नारी की स्थिति, सम्पत्ति का अधिकार, सुधार हेतु कानून।

संदर्भ ग्रंथ –

1. दीनानाथ वर्मा – आधुनिक भारत
2. एग्नेश ठाकुर – भारत का इतिहास (1757–1857) (1858–1944)
3. रमेश चन्द्र दत्त – ब्रिटिश भारत का आर्थिक इतिहास
4. ए. आर. देसाई – भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
5. विपिन चंद्र – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास (1857–1947)
6. सुमित सरकार – आधुनिक भारत।

एम. ए. इतिहास
तृतीय सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्नपत्र
भारत का आर्थिक इतिहास भाग – 1 (1757–1947)

1. इकाई – 1
   (अ) भारतीय अर्थवस्था एवं उसकी समस्याएँ
   (ब) भारतीय अर्थव्यवस्था के साधन एवं उनके दायरे
   (स) 18 वीं शताबदीं के मध्य भारत की अर्थव्यवस्था

2. इकाई – 2
   (अ) प्रारंभिक औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था
   (ब) भारत में यूरोपीय व्यापारिक अभिरूचि
   (स) अंग्रेजों की व्यापारिक एवं वाणिज्यिक नीति
   (द) भारतीय व्यापार एवं व्यवसाय में बैंकों की महत्ता

3 इकाई –3
   (अ) बिट्रिश ईस्ट इड़िया कपनी की भूराजस्व नीति–स्थाई बन्दोबस्त
   (ब) महालवाडी एवं रैयतवाडी बन्दोबस्त
   (स) ईस्ट इडिया कपनी की आर्थिक नीति
   (द) धन का निष्कासन

4 इकाई – 4
   (अ) औपनिवेशिक व्यवस्था के पूर्व भारतीय कृषि
   (ब) बिट्रिश काल में भारतीय कृषि का ह्रास एवं समस्याएं
   (स) भारत में व्यापार एवं व्यवसाय का ह्रास
   (द) कृषि संबंधी आयात –निर्यात नीति

संदर्भ ग्रंथ –

1. एग्नेश ठाकुर – भारत का आर्थिक इतिहास
2. विपिन चंद्र – भारत में आर्थिक राष्ट्रवाद का उद्‌भव एवं विकास
3. कालूराम शर्मा एवं प्रकाश व्यास – आधुनिक भारत राजनैतिक, आर्थिक एव सामाजिक इतिहास

एम. ए. इतिहास
तृतीय सेमेस्टर – तृतीय प्रश्नपत्र
प्राचीन भारतीय वास्तुकला का इतिहास

1. सैंधव वास्तुकला

2. वैदिक साहित्य में वास्तुकला

3. स्तूप – अर्थ, स्वरूप

4. चैत्य– अर्थ, स्वरूप

5. गुफाएँ

6. मंदिर अर्थ प्रकार, नागर, द्रविड़, बेसर शैली–
   (अ) नागर शैली– अर्थ विशेषताएँ, प्रकार–
   1. उड़ीसा शैली, 2. राजस्थान शैली, 3. खजुराहो शैली
   (ब) द्रविड़ शैली – अर्थ विशेषताएँ, प्रकार–
   1. पल्लव शैली , 2. चोल शैली, 3. नायक शैली
   (स) बेसर शैली – अर्थ, प्रकार।
7. मौर्यकालीन वास्तुकला
8. गुप्तकालीन वास्तुकला
9. गुप्तोत्तर वास्तुकला –
   (अ) पल्लव
   (ब) चोल
   (स) चालुक्य
   (द) राष्ट्रकूट

संदर्भ ग्रंथ –

1- E.B. Havell - Indian Architecture
2- E.B. Havell - The Ancient and Medieval Architecture of india
3.परमेश्वरी लाल गुप्त – भारतीय वास्तुकला
4.वासुदेव शरण उपाध्याय – प्राचीन, मंदिर, चैत्य, स्तूप
5.वासुदेव शरण उपाध्याय – भारतीय कला।
6.दिनेश चंद्र भारद्वाज – मध्यकालीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति

एम. ए. इतिहास
तृतीय सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्नपत्र
प्राचीन कालीन भारत में राज्य

1. राज्य की उत्पत्ति–
   (अ) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्त्रोत
   (ब) हड़प्पाकालीन प्रशासनिक स्वरूप एवं संभावित राजधानियाँ
   (स) आर्यों की प्रारंभिक राजनैतिक अवस्था, उत्तरवैदिक कालीन प्रमुख राज्य
   (द) बुद्धकालीन राज्य– सोलह महाजनपद, राजतंत्रीय व्यवस्था, गणतंत्रीय व्यवस्था

2. मौर्य कालीन राज्य एवं प्रशासन
   (अ) चाणक्य का अर्थशास्त्र
   (ब) सामाजिक जीवन
   (स) आर्थिक प्रकृति
   (द) प्रशासन के मुख्य सिद्धांत

3. गुप्त एवं गुप्तोंत्तर कालीन राज्य व्यवस्था
   (अ) गुप्त प्रशासन की प्रमुख विशेषताएं– समुद्रगुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय
   (ब) गुप्त काल–भारतीय इतिहास का स्वर्णयुग
   (स) गुप्तोंत्तरकालीन प्रशासन–हर्षवर्धन
   (द) राजपूतकालीन प्रशासन

4. दक्षिण के राज्य–
   (अ) चोल प्रशासन
   (ब) अन्य दक्षिणवर्ती राज्य– पल्लव एवं चालुक्य

<u>संदर्भ ग्रंथ –</u>

1. दीनानाथ वर्मा – प्राचीन भारत
2. सत्यकेतु विद्यालंकार – प्राचीन भारत
3. प्रो. अनंत सदाशिव अलतेकर – प्राचीन भारतीय शासन पद्धति
4. डॉ. परमेश्वरीलाल गुप्त – गुप्त साम्राज्य
5. सच्चिदानंद त्रिपाठी – शंगुकालीन भारत
6. डॉ. श्रीराम गोयल – प्रागैतिहासिक मानव और सांस्कृतियाँ

Course Outcome

M.A. IV SEM.

Paper I- History of modern India (1858-1964)

Outcome –

- ✓ To understand the freedom struggle and its different ways as moderates, Extremists, revolutionaries.
- ✓ To understand the Gandhian thoughts and its application in freedom movement and the Partition of India
- ✓ To understand communal politics and its origin in India
- ✓ To understand the development of planned economy , non align movenment are foreign policy of indendent India.

Paper-II

- ✓ To understand the Emperial economic policy during British rule and exploitation of India.
- ✓ To understand the effect of British economic policies.

Paper III- History of architecture of medieval and modern India

- ✓ To understand the culture and deveopment of archiecture in mediveal and modern India

- ✓ To familiarize and compare the different style of archictecture in medieval India.
- ✓ To familiarize the colonial architeture and development of new cities.

Paper IV- States in India

Outcome –

- ✓ To understand contiunation and difference of administration system of sultanate and mughal period.
- ✓ To understand the polity of nation state in independent India.
- ✓ To understand the characteristics of Indian constitution.

एम. ए. इतिहास
चतुर्थ सेमेस्टर – प्रथम प्रश्नपत्र
आधुनिक भारत का इतिहास (1858–1964)

1. राष्ट्रीय आंदोलन –
(अ) भारतीय राष्ट्रवाद दृष्टिकोण एवं अवधारणात्मक विवाद
(ब) संगठित राष्ट्रवाद का उदय
(स) 1919 तक राष्ट्रीय आंदोलन की प्रकृति
2. गाँधीवादी आंदोलन–
(अ) असहयोग आंदोलन
(ब) सविनय अवज्ञा आंदोलन
(स) भारत छोड़ो आंदोलन

3. क्रांतिकारी और वामपंथी आंदोलन

4. कांग्रेसी और गैर कांग्रेसी प्रांतीय सरकारों के कार्य

5. साम्प्रदायिक राजनीति और देश विभाजन

6. सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिन्द फौज

7. स्वाधीन भारत–
(अ) देशी रियासतों का विलीनीकरण
(ब) भारतीय संविधान का निर्माण एवं विशेषताएं
(स) नियोजित अर्थव्यवस्था का आरंभ
(द) भारत की विदेश नीति – गुटनिरपेक्षता

<u>संदर्भ ग्रंथ –</u>

1. पंडित सुंदरलाल – भारत में अंग्रेजी राज्य
2. ताराचंद – भारत का स्वतंत्रता संघर्ष
3. विपिनचंद्र – मॉर्डन इंडिया
4. आर.सी. मजुमदार – स्ट्रगल फॉर फ्रीडम सोशल कल्चरल एण्ड इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया
5. बी. ए. भार्गव – आधुनिक भारतीय इतिहास
6. पट्टाभि सीतारमैया – कांग्रेस का इतिहास
7. विद्याधर महाजन – ब्रिटिशकालीन भारत

एम. ए. इतिहास
चतुर्थ सेमेस्टर – द्वितीय प्रश्नपत्र
भारत का आर्थिक इतिहास भाग–2 (1757–1947)

1. इकाई – 1
   (अ) भारत में औद्योगीकरण का प्रारंभ एवं विकास
   (ब) औद्योगिक श्रम एवं श्रम आंदोलन
   (स) विदेशी व्यापार एवं भुगतान संतुलन
   (द) धन का निष्कासन

2. इकाई – 2
   (अ) भारत में सिंचाई व्यवस्था
   (ब) भारत में पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग एवं उनका विनाश
   (स) रेल्वे एवं भारतीय अर्थव्यवस्था
   (द) अंग्रेजों की अकाल नीति

3. इकाई – 3
   (अ) राष्ट्रीय आय तथा भारतीय स्वतंत्रता
   (ब) भारतीय संरक्षण नीति
   (स) भारतीय जनसंख्या में वृद्धि एवं परिवर्तन की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

4. इकाई – 4
   (अ) भारतीय अर्थव्यवस्था पर आधारित समग्र विषय–वस्तु पर इतिहासकारों का चिंतन – दादाभाई नौरोजी, रानाडे, गोखले, गांधीजी।

<u>संदर्भ ग्रंथ –</u>

1. दिनेश चंद्र भारद्वाज – आधुनिक भारतीय संस्कृति इतिहास
2. सुरेश चंद्र शुक्ल – भारत का इतिहास भाग 1 एवं 2
3. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव – मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
4. डॉ. एस. एल. नागोरी – आधुनिक भारत का सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक इतिहास
5. गिरीश मिश्रा – आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास
6. सव्यसाची भट्टाचार्य – आधुनिक भारत का आर्थिक इतिहास 1850–1947
7. डॉ. ए. आर. देसाई – भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि
8. वी.सी. सिन्हा – आर्थिक विचारो का इतिहास
9. माहेश्वरी एवं जैन – आर्थिक विचारो का इतिहास
10. चतुर्वेदी एवं चतुर्वेदी – आर्थिक विचारो का इतिहास

एम. ए. इतिहास
चतुर्थ सेमेस्टर – तृतीय प्रश्नपत्र
मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय वास्तुकला का इतिहास

1. सल्तनतकालीन वास्तुकला –
   (अ) विशेषताएँ गुलाम वंश, खिलजी वंश, तुगलक वंश, सैय्यद वंश, लोदी वंश

2. मुगलकालीन वास्तुकला–
   (अ) विशेषताएँ बाबर, हुमायूं, अकबर, जहांगीर, शाहजहाँ, औरंगजेब

3. प्रादेशिक वास्तुकला –
   (अ) मालवा वास्तुकला, गुजरात वास्तुकला, विजयनगर वास्तुकला, राजपुताना वास्तुकला, दक्षिण भारत की वास्तुकला

4. 18वीं शताब्दी के नये शहर –
   (अ) लखनऊ, पूना, हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, कलकत्ता, बम्बई

5. इण्डो सारसैनिक शैली

6. 20वीं शताब्दी की वास्तुकला–
   (अ) नई दिल्ली, भोपाल

संदर्भ ग्रंथ –

1- E. B. Havell – The Ancient and Medieval Architecture of India
2- E. B. Havell – Indian Architecture through the Ages
3- R. Natha - Some aspects of Mughal Architecture.
4- A.L. Jain – Delhi, The capital of India.
5. राजनाथ – मध्यकालीन भारतीय कलाएँ एवं उनका विकास

एम. ए. इतिहास
चतुर्थ सेमेस्टर – चतुर्थ प्रश्नपत्र
भारत में राज्य

1. दिल्ली सुल्तानों के अधीन राज्य की प्रकृति एवं कार्य–
   (अ) राज्य के सिद्धांत, इस्लामिक सिद्धांत
   (ब) अलाउद्दीन खिलजी का बाजार नियंत्रण
   (स) सल्तनतकालीन प्रशासनिक व्यवस्था– केन्द्रीय, प्रांतीय व स्थानीय प्रशासन (दासवंश से सैय्यद एवं लोदी वंश तक)

2. विजयनगर राज्य– स्वरूप, प्रकृति एवं कार्य–
   (अ) अभ्युदय
   (ब) विजयनगर की शासन व्यवस्था
   (स) सामाजिक एवं सांस्कृतिक स्थिति
   (द) आर्थिक स्थिति

3. मुगल राज्य की प्रशासन व्यवस्था और मराठाकालीन प्रशासन
   (अ) केन्द्रीय शासन, प्रांतीय शासन, स्थानीय शासन, मनसबदारी व्यवस्था
   (ब) सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति
   (स) शिवाजी का प्रशासन

4. उपनिवेशवादी राज्य के अंतर्गत–
   (अ) देशी रियासतो का विलय
   (ब) राष्ट्रीय राज्य का उदय 1964 तक
   (स) भारतीय संविधान की विशेषतायें,

<u>संदर्भ ग्रंथ –</u>

1. अवधबिहारी पाण्डेय – मध्यकालीन भारत
2. दीनानाथ वर्मा – मध्यकालीन भारत
3. आशीर्वादी लाल श्रीवास्तव – मध्यकालीन भारत
4. विपिन चंन्द्र – भारत मे आर्थिक राष्ट्रवाद उद्भव एवं विकास
5. रामधारी सिंह दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय
6. सत्यकेतु विद्याकर – प्राचीन भारत
7. वी.डी. महाजन – मध्यकालीन भारत, आधुनिक भारत
8. सुंदर लाल – भारत में अंग्रेजी राज्य
9. राय चौधरी मजुमदार एवं दत्त– आधुनिक भारत का वृहत इतिहास
10. मथुरालाल शर्मा – मध्यकालीन भारत
11. श्रीनेत्र पाण्डेय – दिल्ली सल्तनत
12. डॉ. हरिशंकर – मध्यकालीन इतिहास लेखन